A–0051

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

BAHL (N)-102

हिन्दी कथा साहित्य

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) (2×19=38)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. हिन्द उपन्यास के उदभव और विकास पर प्रकाश डालिए।

2. 'कफन' कहानी के माध्यम से ग्रामीण जीवन के यथार्थ को वर्णित कीजिए।

3. जैनेन्द्र कुमार के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

4. 'त्यागपत्र' उपन्यास की तात्विक समीक्षा कीजिए।

5. हिन्दी गद्य के विकास में भारतेन्दुजी की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) (4×8=32)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. हिन्दी कहानी तथा उपन्यास में अंतर बताइए।

2. भाषा और संवाद की दृष्टि से ''अपना-अपना भाग्य'' कहानी का मूल्यांकन कीजिए।

3. नई कहानी के चार कहानीकारों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

4. उसने कहा था कहानी के पात्र लहना सिंह का चरित्र-चित्रण कीजिए।

5. अंग्रेजों की भाषा नीति पर प्रकाश डालिए।

6. हिन्दी गद्य के विकास में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के योगदान की चर्चा कीजिए।

7. प्रेमचंदोत्तर कहानी की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

8. 'कफन' कहानी की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए।

****